Roll No. .....

D–3966

शास्त्री (प्रथम वर्षे) परीक्षायाम्, 2020

(आधार पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्नपत्रम्

हिन्दी भाषा

समय : घण्टात्रयम्] [सम्पूर्णाङ्का : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 8

(i) कवि अपने युग का प्रतिनिधि होता है

(ii) बढ़ती सभ्यता सिकुड़ते वन

(iii) स्वतन्त्रता स्वच्छंदता नहीं है

अथवा

शासकीय पत्र किसे कहते हैं ?

अथवा

व्यावसायिक पत्र के प्रकार लिखिए। किसी **एक** प्रकार को उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

(ख) स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 7

अथवा

हिन्दी के **दस-दस** प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्द लिखिए।

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए : 5

(i) दो दिन का मेहमान

(ii) नानी याद आना

(iii) लकीर का फकीर होना

(iv) राई का पहाड़ बनाना

(v) अपने पैरों पर खड़े होना

(vi) अपनी ढपली अपना राग

(vii) अंधेर नगरी चौपट राजा

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों को शुद्ध कीजिए : 5

(i) नीरोग

(ii) केन्द्रीयकरण

(iii) तादात्म

(iv) निरदयी

(v) उज्जवल

(vi) गरिष्ट

(vii) चांद

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए— 5

(i) 'अंक' के **दो** समानार्थी शब्द लिखिए।

(ii) 'पवन' के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(iii) 'दिन' का विलोम लिखिए।

(iv) 'जो रात्रि में विचरण करता हो' के लिए एक शब्द लिखिए।

(v) 'जो एक ही माँ के पेट से उत्पन्न हों' के लिए एक शब्द लिखिए।

3. देवनागरी लिपि की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 15

अथवा

मानक हिन्दी भाषा किसे कहते हैं ? इसके मुख्य लक्षणों का वर्णन कीजिए।

4. जन सामान्य के लिए सूचना टेक्नोलॉजी के महत्व का वर्णन कीजिए। 15

अथवा

निम्नांकित पदनामों का हिंदी रूप लिखिए (कोई **दस**) :

(i) Food officer

(ii) Governor

(iii) High Court

(iv) Inspector

(v) Judge

(vi) Registrar

(vii) Surveyor

(viii) Senior

(ix) Teeasurer

(x) University

(xi) Clerk

5. संक्षेपण के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए :

गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के केवल तीन उपाय—नम्रता, जिज्ञासा और सेवा। इनमें नम्रता का स्थान प्रथम है। अतः एक आदर्श विद्यार्थी को विनम्र होना चाहिए। नम्रता के साथ-साथ उसे अनुशासन—प्रिय भी होना चाहिए। जो विद्यार्थी अनुशासनहीन होते हैं, वे अपने देश, अपनी जाति, अपने माता-पिता, अपने गुरुजन और अपने कॉलेज के लिए प्रगतिकारक होते हैं। अनुशासनहीन छात्र का न तो मानसिक विकास होता है न ही बौद्धिक ही। वह उन गुणों से सदैव के लिए वंचित हो जाता है जो मनुष्य को प्रतिष्ठा के पद पर आसीन करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन का बहुत महत्व है।